AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि के महिला अध्ययन संस्थान में तीन नए कोर्स

महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए पहल, मिलेंगे रोजगार के नए अवसर

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का महिला अध्ययन संस्थान महिला सशक्तीकरण और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए तीन नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत करने जा रहा है। तीनों पाठ्यक्रम स्नातक में शुरू होंगे। इन पाठ्यक्रमों में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, लिंग हिंसा, महिला नेतृत्व और महिलाओं के उद्यमिता कौशल पर बल दिया गया है। संस्थान की बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में इन तीनों पाठ्यक्रमों के प्रस्तावों पर मुहर लग गई है।

तीनों पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति के तहत शुरू किए जा रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय पहला विवि है जिसने अपने यहां एनईपी लागू की है। लविवि के अनुसार इन पाठ्यक्रमों से विद्यार्थियों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। नए क्षेत्र में कुशलता विकसित होगी। महिला अध्ययन संस्थान की सह संचालिका डॉ. अर्चना शुक्ला ने बताया कि इस तरह के पाठ्यक्रमों को राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन के मिशन शक्ति के अंतर्गत शुरू किया जा रहा है।

पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि लिंग हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य विषय के अंतर्गत सह पाठ्यक्रम स्नातक के तीसरे सेमेस्टर में शुरू होगा। इसका उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ हो रही विभिन्न तरह की हिंसा को प्रस्तुत करना है। इसमें लिंग आधारित हिंसा महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर कैसे प्रभाव डालती है, इसके बारे में छात्रों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही चुनौतियों से निपटने को लेकर भी जागरूक किया जाएगा। लिंग आधारित हिंसा और परामर्श के क्षेत्र में विशेषज्ञता में यह पाठ्यक्रम रोजगार की संभावनाएं भी पैदा करेगा। महिला और उद्यमिता कौशल विकास पर आधारित दूसरा पाठ्यक्रम स्नातक के चौथे सेमेस्टर में लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस व्यावसायिक पाठ्यक्रम को शुरू करने का उद्देश्य विकासशील महिला उद्यमियों पर जोर देना है। साथ ही उद्यमिता की अवधारणा और इसकी प्रक्रिया को पेश करना है।

इस पाठ्यक्रम को करने के बाद छात्रों को गैर सरकारी संगठनों व अन्य संगठनों में नौकरी के अवसर मिलेंगे। महिला नेतृत्व और प्रबंधन विषय पर तीसरा पाठ्यक्रम भी स्नातक के चौथे सेमेस्टर में लागू होगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों के बीच रोजगार कौशल और प्रबंधकों के लिए आवश्यक कौशल को विकसित करेगा। इसका उद्देश्य नेतृत्व व प्रबंधन को लेकर छात्रों की समझ को विकसित करना है।

विधि पाठ्यक्रमों का आंतरिक मूल्यांकन छह जुलाई से

लखनऊ। लविवि के विधि विभाग और संबद्ध कॉलेजों में संचालित तीन व पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रमों का आंतरिक मूल्यांकन छह से 14 जुलाई तक होगा। अधिष्ठाता व विभागाध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह ने सभी कॉलेजों को आंतरिक मूल्यांकन के अंक अनिवार्य रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कंप्यूटर का एक अतिरिक्त पेपर भी पढ़ाने का निर्देश दिया है। विवि से संबद्ध सभी विधि महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ हुई ऑनलाइन बैठक में प्रो. सीपी सिंह ने यह निर्देश दिया। लविवि में ग्रीष्मकालीन अवकाश तीन जुलाई तक है, लेकिन विधि संकाय द्वारा इस दौरान भी पढ़ाई कराई जा रही है। उन्होंने सभी विधि महाविद्यालयों से तीन व पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रमों के दूसरे सेमेस्टर के शिक्षण कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि कोविड काल में छात्रों की पढ़ाई का काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने सभी विधि महाविद्यालयों से अनुरोध किया है कि पाठ्यक्रम समाप्त होने तक शिक्षण कार्य करते रहें, ताकि शिक्षा सत्र को नियमित किया जा सके। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीए के नए पाठ्यक्रमों की दी जानकारी

लखनऊ। लविवि के मनोविज्ञान विभाग की ओर से संबद्ध कॉलेजों के संकाय के लिए ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नई शिक्षा नीति के तहत बीए में शुरू किए गए परामर्श और मार्गदर्शन व्यावसायिक पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई। मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मेघा सिंह ने इकाईवार पाठ्यक्रम पर चर्चा करते हुए प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में परामर्श और मार्गदर्शन के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर विभाग की प्रमुख डॉ. अर्चना शुक्ला ने भी पाठ्यक्रम के बारे में चर्चा की। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में महिला हिंसा पर तीन नए पाठ्यक्रमों का प्रस्ताव

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। महिला अध्ययन संस्थान लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में तीन को-करिकुलर पाठ्यक्रमों को स्नातक स्तर के तीसरे एवं चौथे सेमेस्टर के लिए प्रस्तावित किया गया है। जिसे लिंग, हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य शीर्षक के अन्तर्गत को-करिकुलर स्नातक स्तर के तृतीय सेमेस्टर के लिए तैयार किया गया है।

वहीं महिला और उद्यमिता कौशल विकास और महिला नेतृत्व और प्रबंधन शीर्षक के अन्तर्गत व्यवसायिक पाठ्यक्रम स्नातक स्तर के चौथे सेमेस्टर के लिए तैयार किया गया है। इस तरह के पाठ्यक्रमों को मिशन शक्ति के अंतर्गत राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रारंभ करने पर जोर दिया गया था। महिला अध्ययन संस्थान की सह-संचालिका डॉ. अर्चना शुक्ला बताया कि इसका उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ विभिन्न प्रकार की हिंसा को प्रस्तुत करना है।

हिंसा और परामर्श के क्षेत्र में अवसर: यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए रोजगार की संभावनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ लिंग आधारित हिंसा और परामर्श के क्षेत्र में विशेषज्ञता के लिए गुंजाइश खोलेगा।

इसका उद्देश्य विकासशील महिला उद्यमियों पर जोर देने के साथ उद्यमिता की अवधारणा और इसकी प्रक्रिया को पेश करना भी है।

पीजी डिप्लोमा इन काउंसिलिंग शुरू होगा

लखनऊ विश्वविद्यालय में अगले सत्र से पीजी डिप्लोमा इन काउंसलिंग पाठ्यक्रम शुरू होगा। मनोविज्ञान विभाग में शुरू होने वाले पीजी इन डिप्लोमा को बोर्ड ऑफ स्ट्डीज से स्वीकृति मिल गई है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र काउंसलिंग के क्षेत्र में भविष्य बना सकेंगे। मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डा. अर्चना शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय से एमए करने वाले छात्र लगातार काउंसलिंग में डिप्लोमा कोर्स की मांग कर रहे थे। छात्रों की रुचि को देखते हुए पाठ्यक्रम तैयार कराया गया। जिसे बोर्ड ऑफ स्ट्डीज से स्वीकृति मिल गई। पीजी इन डिप्लोमा में 30 सीटें होंगी और यह एक वर्षीय डिप्लोमा होगा। डा. अर्चना शुक्ला ने कहा कि काउंसलिंग में नौकरी की अपार संभावनाएं है। मनोविज्ञान के छात्रों के अलावा सोशल वर्क और एजुकेशन से बीए करने वाले छात्र-छात्राएं भी अर्ह होंगे। उम्र की सीमा नहीं रखी गई है।

लॉ कॉलेज: 14 जुलाई तक असेसमेंट अनिवार्य

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी विधि महाविद्यालयों के प्राचार्यों की ऑनलाइन बैठक बुधवार को हुई। बैठक में अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष विधि संकाय लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. सीपी सिंह ने छह जुलाई से 14 जुलाई तक इंटरनल असेसमेंट अनिवार्य रूप से कराने का निर्देश दिया। साथ ही एलएलबी तीन वर्षीय एवं पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर के शिक्षण कार्य के बारे में जानकारी ली।

पाठ्यक्रम परामर्श-मार्गदर्शन की जानकारी दी

लखनऊ। स्नातक द्वितीय सेमेस्टर के लिए स्वीकृत वोकेशनल पाठ्यक्रम परामर्श और मार्गदर्शन की जानकारी सभी डिग्री कॉलेजों और संकाय को दी गई। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया गया है। जिसमें पाठ्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी साझा की गई। मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डा. अर्चना शुक्ला ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोगों को जीवन में परामर्श की काफी जरूरत होती हे।

PIONEER PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय शुरू करेगा तीन नए पाठ्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नये शैक्षणिक सत्र से लखनऊ विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन संस्थान की ओर तीन नये पाठ्यक्रमों की शुरूआत की जाएगी। इस बावत बुधवार को सम्पन्न हुई बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में निर्णय लिया गया है। पाठ्यक्रम में पहला हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य शीर्षक के अन्तर्गत सह-पाठ्यक्रम स्नातक स्तर के तृतीय सेमेस्टर। दूसरा महिला और उद्यमिता कौशल विकास और तीसरा महिला नेतृत्व और प्रबंधन शीर्षक के अन्तर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रम स्नातक स्तर के चतुर्थ सेमेस्टर के लिए प्रस्तावित किया गया है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि ऐसे पाठ्यक्रमों को राज्यपाल की ओर से मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रारंभ करने पर जोर दिया गया है। ये पाठ्यक्रम युवा पीढ़ी के भविष्य को उज्जवल बनाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगें।

रोजगार के बढ़ेंगी संभावनाएं

महिला अध्ययन संस्थान की कोआर्डिनेटर डॉ अर्चना शुक्ला ने बताया कि सह पाठ्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ हिंसा के विभिन्न रूपों को पेश करना है। वास्तविक जीवन की स्थिति में परिवर्तन और चुनौतियों से निपटने के लिए और विद्यार्थियों को इस बारे में जागरूक करने के लिए कि लिंग आधारित हिंसा मानसिक स्वास्थ्य पर कैसे प्रभाव डालती है। यह पाठ्यक्रम रोजगार की संभावनाओं द्वार खोलेगी।

6 से 14 जुलाई के बीच लॉ कालेज करायें इंटरनल असेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो सीपी सिंह ने बुधवार को विवि से सम्बद्ध सभी लॉ कालेजों के साथ एक ऑनलाइन बैठक की। बैठक के दौरान सभी ला कॉलेजों से उनके लॉ कालेज में एलएलबी 3 वर्षीय एवं पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर के शिक्षण कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। बैठक के दौरान अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो सीपी सिंह ने कहा कि कोविड-19 द्वारा छात्रों का जो नुकसान हुआ है उसकी प्रतिपूर्ति के लिए और छात्र हित में सत्र विनियमित करने की दृष्टि से ग्रीष्मावकाश में भी शिक्षण कार्य लॉ कॉलेज में जारी रहना चाहिए। ताकि शिक्षा सत्र को नियमित किया जा सके। मीटिंग में उपस्थित कॉलेज के प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि संकाय अध्यक्ष के पूर्व के निर्देश के अनुसार शिक्षण कार्य लगातार चल रहा है और सिलेबस समाप्त होने तक लगातार चलता रहेगा। जिस पर संकाय अध्यक्ष ने 6 जुलाई से 14 जुलाई 2022 तक इंटरनल असेसमेंट अनिवार्य रूप से कराने का निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त संकाय अध्यक्ष द्वारा कंप्यूटर के पेपर को पढ़ाने का भी निर्देश दिया गया।

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ यूनिवर्सिटी में अब तीन नए कोर्स

लखनऊ यूनिवर्सिटी की बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में लिया गया निर्णय

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (25 May): लखनऊ यूनिवर्सिटी के महिला अध्ययन संस्थान की ओर से तीन नये पाठ्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी. इसका फैसला बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में लिया गया. पाठ्यक्रमों में पहला हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य शीर्षक के अन्तर्गत सह पाठ्यक्रम यूजी लेवल के थर्ड सेमेस्टर, दूसरा महिला और उद्यमिता कौशल विकास और तीसरा महिला नेतृत्व और प्रबंधन शीर्षक के अन्तर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रम यूजी लेवल के चौथे सेमेस्टर के लिए प्रस्तावित है.

जॉब की बढ़ेंगी संभावनाएं

महिला अध्ययन संस्थान की सह-संचालिका डॉ. अर्चना शुक्ला ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा के विभिन्न रूपों को पेश करना है. वास्तविक जीवन की स्थिति में परिवर्तन और चुनौतियों से निपटने के लिए और स्टूडेंट्स को इस बारे में जागरूक करने के लिए कि लिंग आधारित हिंसा मानसिक स्वास्थ्य पर कैसे प्रभाव डालती है, इनका चुनाव किया गया है. ये पाठ्यक्रम रोजगार की संभावनाओं के द्वार खोलेंगे.

मिलेगा काफी फायदा

डॉ. अर्चना शुक्ला ने कहा इस व्यावसायिक पाठ्यक्रम का उद्देश्य विकासशील महिला उद्यमियों पर केंद्रित होकर उद्यमिता की अवधारणा और इसकी प्रक्रिया को पेश करना है. महिलाओं के लिए उद्यमिता कौशल पर विस्तृत ज्ञान के साथ यह पाठ्यक्रम स्टूडेंट्स को गैर सरकारी संगठनों और संगठनों में नौकरी के अवसर तलाशने का अवसर प्रदान करता है. यह व्यावसायिक पाठ्यक्रम स्टूडेंट्स के बीच एक रोजगार कौशल विकसित करेगा.

JAGRAN CITY PAGE III

महिला अध्ययन संस्थान शुरू करेगा तीन नए कोर्स

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का महिला अध्ययन संस्थान आगामी सत्र 2022-23 से स्नातक पाठ्यक्रम में तीन नए कोर्स की शुरुआत करेगा। तीसरे सेमेस्टर में को-करिकुलर के रूप में लिंग, हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य को शामिल किया गया है। वहीं, चौथे सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्स में महिला एवं उद्यमिता कौशल विकास तथा महिला नेतृत्व एवं प्रबंधन शामिल हैं। बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई है।

महिला अध्ययन संस्थान की कोआर्डिनेटर प्रो. अर्चना शुक्ला ने बताया कि ये पाठ्यक्रम युवा पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगें। लिंग, हिंसा एवं मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित सह पाठ्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ हिंसा के विभिन्न रूपों को प्रस्तुत करना है।

रोजगार के अवसर मिलेंगे : वोकेशनल कोर्स का उद्देश्य विकासशील महिला उद्यमियों पर जोर देने के साथ ही उद्यमिता की अवधारणा और इसकी प्रक्रिया को पेश करना है। महिलाओं के लिए उद्यमिता कौशल पर विस्तृत ज्ञान के साथ ही यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को गैर सरकारी संगठनों में नौकरी तलाशने का अवसर देगा। विद्यार्थियों के बीच रोजगार कौशल विकसित करेगा। इससे नेतृत्व और प्रबंधन के बारे में समझ विकसित होगी।

शासन से मंजूरी के इंतजार में कालेज आफ वोकेशनल स्टडीज

लखनऊ विश्वविद्यालय नए सत्र से सीतापुर के शेख सराय स्थित राजकीय महिला कालेज को विश्वविद्यालय के संघटक कालेज के रूप में संचालित करने की तैयारी में है। शासन की ओर से मांगी गई सभी रिपोर्ट विश्वविद्यालय भेज चुका है। अब वहां से अनुमति मिलने का इंतजार है। इसके बाद ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने लतीफ नगर राजकीय महिला महाविद्यालय में कालेज आफ फार्मेसी, राजकीय महिला महाविद्यालय मिश्रिख सीतापुर में कालेज आफ डेयरी एंड फूड टेक्नोलाजी और राजकीय महिला महाविद्यालय शेख सराय सीतापुर के भवन में कालेज आफ वोकेशनल स्टडीज संचालित करने का प्रस्ताव भेजा था। शासन ने शेख सराय वाले महाविद्यालय के भवन को संघटक महाविद्यालय के रूप में संचालित करने के निर्देश भी दिए। यहां एप्लाइड बायो साइंसेज, इंफार्मेशन टेक्नोलाजी और इंवायरमेंटल साइंसेज विभाग खोलने की योजना है। इस संबंध में तीन सदस्यीय कमेटी ने कई महीने पहले निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट भी भेज दी, लेकिन मामला शासन के पास अटका है।

> शासन को रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। हमारी कोशिश है कि नए सत्र से राजकीय महिला महाविद्यालय शेख सराय सीतापुर में वोकेशनल कोर्स की शुरुआत हो जाए। जैसे ही मंजूरी मिलती है, प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।
>
> प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

14 जुलाई तक विधि कालेजों को अपलोड करने होंगे इंटरनल अंक

लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े सभी विधि महाविद्यालयों को एलएलबी तीन व पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के इंटरनल के अंक छह से 14 जुलाई तक अनिवार्य रूप से अपलोड करने होंगे। यह निर्देश बुधवार को विधि संकाय अध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह ने सभी विधि कालेजों के प्राचार्यों के साथ आनलाइन बैठक में दिए। यह भी कहा कि एलएलबी के विद्यार्थियों को कंप्यूटर का एक पेपर जरूर पढ़ाएं। शाम चार बजे से शुरू हुई आनलाइन बैठक में संकाय अध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह ने विधि महाविद्यालय के प्राचार्यों से एलएलबी तीन वर्षीय एवं पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर के शिक्षण के बारे में जानकारी ली। उसके बाद अनुरोध किया कि कोविड-19 में छात्रों की पढ़ाई का जो नुकसान हुआ है, उसकी प्रतिपूर्ति और छात्र हित में ग्रीष्मावकाश में भी पढ़ाई करानी चाहिए।

लवि : प्रवेश शुल्क जमा करने का मौका

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) ने स्नातक व परास्नातक प्रथम, तृतीय, पांचवें, सातवें व नवें सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल हो चुके विद्यार्थियों को सम सेमेस्टर में प्रवेश शुल्क जमा करने के निर्देश दिए हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने इसका नोटिफिकेशन वेबसाइट पर जारी कर दिया है। यह भी कहा है कि परीक्षाफल का इंतजार किए बिना प्रवेश शुल्क जमा करें।

AMRIT VICHAR PAGE 3

सक्रियता | लिंग, हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य, महिला नेतृत्व-प्रबंधन, महिला व उद्यमिता कौशल विकास होंगे विषय

लखनऊ विश्वविद्यालय शुरू करेगा तीन पाठ्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन संस्थान की ओर तीन नये पाठ्क्रमों की शुरूआत की जाएगी। इसका फैसला बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में लिया गया।

पाठ्यक्रमों में पहला हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य शीर्षक के अन्तर्गत सह-पाठ्यक्रम स्नातक स्तर के तृतीय सेमेस्टर। दूसरा महिला और उद्यमिता कौशल विकास और तीसरा महिला नेतृत्व और प्रबंधन शीर्षक के अन्तर्गत व्यावसायिक पाठ्यक्रम स्नातक स्तर के चतुर्थ सेमेस्टर के लिए प्रस्तावित किया गया है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि ऐसे पाठ्यक्रमों को राज्यपाल की ओर से मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रारंभ करने पर जोर दिया गया है। ये पाठ्यक्रम युवा पीढ़ी के भविष्य को उज्जवल बनाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगें।

बोर्ड आफ स्टडीज की ओर से हुई बैठक में लिया गया निर्णय

रोजगार की बढ़ेंगी संभावनाएं

महिला अध्ययन संस्थान की सह-संचालिका डॉ. अर्चना शुक्ला ने बताया कि सह पाठ्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ हिंसा के विभिन्न रूपों को पेश करना है। वास्तविक जीवन की स्थिति मे परिवर्तन और चुनौतियों से निपटने के लिए और विद्यार्थियो को इस बारे मे जागरूक करने के लिए कि लिंग आधारित हिंसा मानसिक स्वास्थ्य पर कैसे प्रभाव डालती है। यह पाठ्यक्रम रोजगार की संभावनाओं द्वार खोलेगी।

नौकरी तलाशने में मिलेगी मदद

डॉ अर्चना ने कहा इस व्यावसायिक पाठ्यक्रम का उद्देश्य विकासशील महिला उद्यमियों पर केंद्रीत होकर उद्यमिता की अवधारणा और इसकी प्रक्रिया को पेश करना है। महिलाओं के लिए उद्यमिता कौशल पर विस्तृत ज्ञान के साथ यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को गैर सरकारी संगठनों और संगठनों में नौकरी के अवसर तलाशने का अवसर प्रदान करता है। यह व्यावसायिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के बीच एक रोजगार कौशल विकसित करेगा। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य नेतृत्व और प्रबंधन के बारे में विद्यार्थी की समझ विकसित करना है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को प्रबंधकों के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करता है।

THE PIONEER PAGE 3

LU Women's Studies Institute to introduce three new courses

PNS ■ LUCKNOW

The Board of Studies of the Institute of Women's Studies of Lucknow University, has proposed to introduce three co-curricular courses under the title gender, violence and mental health in the third semester and two vocational courses ,women and entrepreneurship skill development and women, leadership and management, in the fourth semester of graduation.

The LU spokesperson said that such courses had been proposed by Governor of Uttar Pradesh and Chancellor Anandiben Patel.

According to Dr Archana Shukla, coordinator of the Institute of Women's Studies, the co-curricular courses will give a practical value to the students in general and women in particular.

"To handle changes and challenges in real life situations and sensitise students on how gender based violence impacts on mental health, this paper opens up the scope for students to specialise further in the area of gender-based violence and counselling with a wide range of possibilities for employability. The second vocational course aims at introducing the concept of entrepreneurship and its process with an emphasis on developing women entrepreneurs. This course provides a scope for students to seek job opportunities in NGOs and organisations that work for generating employment for women groups. The third vocational course will develop an employability skill among the students. The aim of this course is to develop the student's understanding of leadership and management. This course provides the students with skills required for managers and students" she said.

FREE TUTORIALS FOR NET-JRF

Meanwhile, the commerce department of Lucknow University, under the leadership of head of department, Prof Audhesh Kumar Tripathi, is going to organise free tutorial classes for NET-JRF aspirants.

In this regard the entrance examination was conducted on May 19. The result of the entrance examination has been declared for 'Super 30' classes. Thirty top students have been selected on the basis of ranks in the entrance examination. Classes for the selected students will begin from May 30.

TOI PAGE 2

LU to introduce 3 papers on women's biz, gender violence

Vocational Papers For UG Under NEP

Times News Network

Lucknow: Lucknow University is set to introduce three new papers at the undergraduate level under the New Education Policy.

Students from any stream can study 'women and entrepreneurship skills' and 'women leadership and management' under vocational papers and 'gender, violence and mental health' as a co-curricular paper from academic session 2022-23.

The proposal to introduce the papers at UG level was passed during of board of studies of the Institute of Women's Studies on Wednesday.

"The two vocational papers at UG level will help students gain practical knowledge about the subjects," said coordinator of the institute Archana Shukla. She said the concept of entrepreneurship, with emphasis on developing women entrepreneurs, will help students get job opportunities in NGOs and organizations that work for generating employment for women's groups and help them own startups.

The aim of introducing a paper on women's leadership is to develop the student's understanding of leadership and management. This course provides students with skills required for being successful managers and leaders.

Shukla said that to handle challenges in a real-life situation and sensitise students on how gender-based violence impacts mental health, the paper 'gender, violence and mental health' will be taught. It opens the scope for students to specialise in gender-based violence and counselling, a field that has high employability at present, she added.

Internship for AKTU students at IIIT-Pune

Students of colleges affiliated to Dr APJ Abdul Kalam Technical University will now be able to do internships at the Indian Institute of Information Technology (IIIT)-Pune, where they will have the opportunity to learn from experts. There is also a faculty exchange programme between the two institutes. "We will soon set the eligibility criteria that the students have to meet to get an internship opportunity at IIIT-Pune. Besides, experts from AKTU will give information about new engineering subjects such as nanotechnology and artificial intelligence to the students of IIIT Pune," said AKTU spokesperson Pawan Tripathi. He said teachers of both institutes will exchange knowledge with students and support them in getting good employment opportunities. TNN